भारत सरकार

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2857

दिनांक 28 **मार्च**, 2022

ओएनजीसी द्वारा कच्चे तेल का उत्पादन

2857. **श्री मल्लिकार्जुन खरगे**:

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) ओएनजीसी द्वारा विगत पांच वर्षों में वर्ष-वार कुल कितनी मात्रा में कच्चे तेल का उत्पादन किया गया है;

(ख) ओएनजीसी द्वारा विगत पांच वर्षों में वर्ष-वार कुल कितनी मात्रा में प्राकृतिक गैस का उत्पादन किया गया है;

(ग) क्या विगत कुछ वर्षों में ओएनजीसी के उत्पादन की दर के स्थिर बने रहने का एक पैटर्न रहा है; और

(घ) यदि हां, तो उत्पादन वृद्धि में इस तरह के ठहराव के क्या कारण हैं और सरकार द्वारा उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री रामेश्वर तेली)

(क) और (ख): पिछले पांच वर्षों में स्टैंडअलोन कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का उत्पादन निम्नानुसार है:-

वर्ष	कच्चे तेल का उत्पादन (मिलियन मीट्रिक टन)	प्राकृतिक गैस का उत्पाद (बिलियन घन मीटर)
2016-17	22.249	22.088
2017-18	22.305	23.484
2018-19	21.111	24.747
2019-20	20.714	23.853
2020-21	20.273	22.096

(ग) और (घ) हाल ही के वर्षों में कच्चे तेल के उत्पादन में कमी मुख्य रूप से प्राकृतिक गिरावट और परिपक्व क्षेत्रों के कूपों में जल कटौती में वृद्धि के कारण हुई है। ओएनजीसी मौजूदा परिपक्व क्षेत्रों का पुनर्विकास और नए/सीमांत क्षेत्रों का विकास करके उत्पादन बढ़ाने के लिए अनेक कदम उठा रही है। इनमें अन्य बातों के साथ-साथ कृष्णा गोदावरी बेसिन में खोजों का विकास, नामांकन/नई अन्वेषण लाइसेंसिंग नीति (एनईएलपी) ब्लाकों में खोजों का मौद्रीकरण, क्षेत्रों का एकीकृत विकास, लघु क्षेत्रों में उत्पादन वृद्धि संविदाएं, सतह से जुड़ी सुविधाओं का उन्नयन/प्रतिस्थापन आदि शामिल हैं। समूह विकास की अवधारणा के जरिए अव्यवहार्य लघु/सीमांत क्षेत्रों का विकास किया जाता है। इसके अलावा, परिपक्व क्षेत्रों से निकासी बढ़ाने के लिए उन्नत तेल निकासी और वर्धित तेल निकासी प्रौद्योगिकियों का उपयोग किया जाता है।

सरकार ने उत्पादन हिस्सेदारी संविदा (पीएससी) व्यवस्था, खोजे गए लघु क्षेत्र नीति, हाइड्रोकार्बन अन्वेषण और लाइसेंसिंग नीति आदि के तहत तेल और प्राकृतिक गैस का उत्पादन बढ़ाने के लिए अनेक नीतियों की शुरूआत की है। सरकार ने इलैक्ट्रोनिक सिंगल विंडो व्यवस्था सहित अनुमोदन प्रदान करने संबंधी प्रक्रियाओं को व्यवस्थित करके राष्ट्रीय तेल कंपनियों को कार्यात्मक आजादी उपलब्ध करवाई है और निजी क्षेत्र की व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित किया है।

****